A-0411

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DVS-102

वास्तुशास्त्र के विविध आयाम

Diploma in Vastushashtra (DVS)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. पञ्चरूपात्मक होरा शास्त्र का परिचय दीजिये।

Q.2. भारतीय वर्षमान पद्यति का वर्णन कीजिए।

Q.3. वास्तुपुरूष के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Q.4. भूशोधनार्थ शल्योद्धार विधि का वर्णन कीजिए।

Q.5. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार काल के सवरूप का परिचय दीजिये।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. वास्तुशास्त्र के अनुसार नक्षत्रशुद्धि विचार को लिखिये।

Q.2. गृहारम्भ में वृषवास्तु चक्र का वर्णन कीजिए।

Q.3. ग्रामवास में लाभालाभ विचार का वर्णन कीजिए।

Q.4. नक्षत्रों के चरणाक्षरो को लिखिये।

P.T.O.

Q.5. आयादि फल का सामान्य परिचय दीजिये।

Q.6. बृहत्संहिता के अनुसार शल्यज्ञान विचार का वर्णन कीजिए।

Q.7. भूपरीक्षण की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिये।

Q.8. भूशोधन विधि का वर्णन कीजिए।

****